

---

# Shri Naraharyanandacharya Ashtakam

---

## श्रीनरहर्यानन्दाचार्याष्टकम्

---

### Document Information



---

Text title : Shri Naraharyanandacharya Ashtakam

File name : naraharyAnandAchAryAShTakam.itx

Category : deities\_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 8, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीनरहर्यानन्दाचार्याष्टकम्



चिन्तकानां च रामस्य शिरोमणिमनुत्तमम् ।  
नृहर्यानन्दमीडेऽहं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १ ॥

आश्रितानां च लोकानां कल्याणकल्पपादपम् ।  
नृहर्यानन्दमीडेऽहं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २ ॥

आनन्दभाष्यबोद्धारं भक्तिदानेन मुक्तिदम् ।  
नृहर्यानन्दमीडेऽहं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३ ॥

रामानन्दीयधर्मस्य महाविस्तारकारकम् ।  
नृहर्यानन्दमीडेऽहं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥

अनन्तानन्दशिष्यं च तुलसीदाससद्गुरुम् ।  
नृहर्यानन्दमीडेऽहं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५ ॥

योगीन्द्रसिद्धभूपालप्राज्ञवृन्दोपसेवितम् ।  
नृहर्यानन्दमीडेऽहं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥

मन्त्रार्थानां त्रयाणां च शिक्षकं शान्तिरक्षकम् ।  
नृहर्यानन्दमीडेऽहं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७ ॥

दत्त्वा च पञ्च संस्कारान् सद्भक्तियोग्यताप्रदम् ।  
नृहर्यानन्दमीडेऽहं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८ ॥

इति श्रीनरहर्यानन्दाचार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

pdf was typeset on December 8, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

